

छत्तीसगढ़ बेसिन की ग्रामीण जनसंख्या के विभिन्न आय वर्गों में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण एवं पोषण स्तर प्रतिरूप



रंजना शर्मा

विभागाध्यक्ष,
भूगोल विभाग,
शा. वि. या. ता स्वशासी
स्नातकोत्तर महा.,
दुर्ग, छ.ग.

चंदन सिंह राठौर

प्रोजेक्ट फ़ैलो,
भूगोल विभाग,
शा. वि. या. ता स्वशासी
स्नातकोत्तर महा.,
दुर्ग, छ.ग.

सारांश

संपूर्ण छत्तीसगढ़ बेसिन कृषि प्रधान क्षेत्र है, अतः खाद्यान्न आपूर्ति पोषण एवं कृषि के अंतर्संबंधों का अध्ययन महत्वपूर्ण है। अध्ययन क्षेत्र में पोषण की वास्तविक स्थिति ज्ञात करने के लिए आधार सर्वेक्षण किया गया, आहार सर्वेक्षण हेतु व्यवस्थित प्रतिचयन विधि द्वारा 20 गांवों के 1978 परिवारों को प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया, सर्वेक्षण से संकलित प्राथमिक आंकड़ों को I.C.M.R. (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) द्वारा अनुमोदित आहार मात्रा के आधार पर प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन खाद्यान्न उपलब्धता, अंतर्ग्रहण प्रतिरूप एवं पोषक तत्वों की प्राप्ति को ज्ञात किया गया। 1978 परिवारों को जोतों के आकार के अनुसार विभिन्न आय वर्गों में विभाजित किया गया। निम्न आय वर्ग में 860 परिवार आते हैं जिनमें औसत खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति 306.02 ग्राम, दालें 52.3 ग्राम, खाद्य तेल 24.2 ग्राम, मिश्रित सब्जियां 273.3 ग्राम, फल 10.25 ग्राम, शक्कर/गुड़ 33.5 ग्राम है, जबकि मध्यम आय वर्ग में 881 परिवार आते हैं जिनमें औसत अंतर्ग्रहण खाद्यान्न 334.55 ग्राम, दालें 53.65 ग्राम, खाद्य तेल 21.3 ग्राम, मिश्रित सब्जियां 282.60 ग्राम, फल 10.6 ग्राम, शक्कर/गुड़ 36.65 ग्राम है, प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहित कि जाती है। उच्च आय वर्ग के परिवारों कि संख्या 791 है, यहां औसत रूप से 344.7 खाद्यान्न, 56.69 ग्राम दालें, खाद्य तेल 23.45 ग्राम, मिश्रित सब्जियां 287.25 ग्राम, फल 11.85 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहित किया जाता है। अति उच्च आय वर्ग में 81 परिवार आते हैं, जिसमें औसत खाद्यान्न अंतर्ग्रहण 343.5 ग्राम, 56.85 ग्राम दालें, खाद्य तेल 20.3 ग्राम, मिश्रित सब्जियां 277.55 ग्राम, फल 11.75 ग्राम, शक्कर/गुड़ 39.04 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहित किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में पोषण स्तर ज्ञात करने के लिए केन्डोल कि विधि एवं आहार संतुलन तालिका निर्माण के लिए सुखात्म कि विधि प्रयुक्त की गई है। अध्ययन क्षेत्र में 36.60% ग्रामीण जनसंख्या कुपोषण, 38.77% न्यून पोषण एवं 25% आदर्श पोषण के अन्तर्गत आते हैं। अध्ययन क्षेत्र प्रोटीन अल्पता को प्रदर्शित करता है। यहां पर कैलोरी, प्रोटीन व विटामिन B2 की अल्पता है।

मुख्य शब्द : खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप, पोषण, पोषक तत्व, अल्पता, कुपोषण, न्यूनपोषण, आदर्श पोषण !

प्रस्तावना

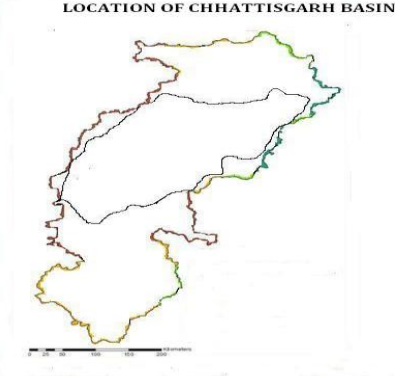
भारत के सबसे बड़े राज्य म0प्र0 के दो हिस्से कर 1 नवम्बर 2000 को अस्तित्व मे आया। छत्तीसगढ़ देश का 26 वां राज्य है। इस राज्य की सुन्दर एवं मनोरम भूमि पर एक ओर जहां मैकल, सिहावा और रामगिरी जैसी पर्वतमालाएं हैं। वही दूसरी ओर महानदी, शिवनाथ, इन्द्रावती, हसदो और खारून जैसी कई नदियों का पानी बहता है। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सम्पदा से परिपूर्ण है। और इसे सम्पन्न बनाने में प्रकृति ने अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी है। यहां खनिजों कि भरमार है, घने पेंडो से आच्छादित वन सम्पदा और उपजाऊ भूमि की बहुतायत है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में कृषि भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यहां धान के खेत सर्वत्र फैले हुए है, इसी कारण इस क्षेत्र को "धान का कटोरा" कहा जाता है।

यह राज्य देश मे सार्वधिक चावल और गेहूं उत्पादन राज्यों में एक हैं। इस राज्य में उगने वाली अन्य महत्वपूर्ण फसलें है, मक्का, सोयाबीन, दालें, ज्वार और बाजरा। छत्तीसगढ़ की बहुत अच्छी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत हैं जिसका उल्लेख महाभारत और रामायण जैसे पौराणिक ग्रंथों में कौशल के नाम में मिलता हैं।

छत्तीसगढ़ बेसिन

इस प्रदेश का विस्तार 19045' से 23015' उत्तरी अक्षांश तथा 80025' से 84020' पूर्वी देशान्तर के मध्य 72,940 वर्ग कि० मी० क्षेत्र पर पंखेनुमा आकृति में छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ जिलों पर विस्तृत है। यह प्रदेश रामायण में दण्डकारण्य के पूर्व में स्थित 'दक्षिण कोशल' के नाम से विख्यात था। इस प्रदेश का नामकरण हैहवंशी राजपूतो द्वारा 1000ई में स्थापित 36गढ़ों के नाम पर हुआ।

Map no 1



मिट्टी (Soil)

मिट्टी प्रकृति प्रदत्त अमूल्य उपहार है। यह समस्त जीव जगत का आधार है। पृथ्वी पर लगभग सभी प्रकार का जीवन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस पर निर्भर करता है। अखिल भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार छत्तीसगढ़ बेसिन में निम्नलिखित प्रकार की मिट्टियाँ पायी जाती हैं -

1. लाल-पिली मिट्टी
2. लैटेराइट मिट्टी
3. काली मिट्टी

छत्तीसगढ़ बेसिन के लगभग 70-80

भाग में लाल-पिली मिट्टी का विस्तार है। मुख्य रूप से यह मिट्टी बिलासपुर, रायपुर, कोरबा, कवर्धा, जांजगीर, दुर्ग, एवं महासमुन्द जिलों में पायी जाती है। धान के फसल के लिये सार्वधिक उपर्यक्त होती है। लैटेराइट मिट्टी छत्तीसगढ़ बेसिन के उच्च भाग कवर्धा, छुईखदान, साजा एवं बेमेतरा तहसीलों में पायी जाती है। इस मिट्टी में मोटे अनाज, तिलहन व आलू का उत्पादन अधिक होता है। इसे स्थानीय भाषा में भाटा मिट्टी भी

कहा जाता है। छत्तीसगढ़ बेसिन में काली मिट्टी का विस्तार मुंगेली, कवर्धा रायपुर, राजिम, पण्डरिया, महासमुन्द तहसीलों में है। इसे स्थानीय भाषा में कन्हार मिट्टी भी कहा जाता है। यह बहुत ही उपजाऊ मिट्टी है। इसमें गेहूँ, चना, कपास, गन्ना आदि का उत्पादन किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र में पोषण स्तर

छत्तीसगढ़ बेसिन में निवास करने वाली जनसंख्या का 80 प्रतिशत कृषि कार्य पर आधारित है। जिसमें 90 प्रतिशत पोषण कृषि उत्पादों से ही उपलब्ध होता है। क्रियाशील व सफल जीवन के लिए एक निश्चित मात्रा एवं गुणवत्ता में भोजन का अंतर्ग्रहित होना आवश्यक है। इस जगत में निवास करने वाले मानव सहित समस्त जीवों के लिए उत्तम पोषण हेतु भोजन की संतुलित मात्रा का उपयोग आवश्यक है। जिससे वह क्रियाशील रहकर सफलतापूर्वक जीवन व्यतित कर सके। असंतुलित भोजन का अंतर्ग्रहण स्वास्थ्य को प्रमाणित करता है तथा विभिन्न प्रकार के रोगों का कारण बनता है।

पोषण स्तर तथा खाद्यान्न उत्पादन, उपलब्धता तथा जनसंख्या में घनिष्ठ संबंध होता है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या एवं खाद्यान्न में असंतुलन की स्थिति है। संपूर्ण छत्तीसगढ़ बेसिन कृषि प्रधान क्षेत्र है। जहां जनसंख्या का भार कृषि पर आधारित पोषण तत्वों पर ही निर्भर है। क्षेत्र में जनाधिक्य के कारण अधिकांश जनसंख्या कुपोषण तथा अल्प पोषण का शिकार है। सामाजिक एवं आर्थिक विकास में यह समस्या विशेष रूप से बाधक है। खाद्यान्न वृद्धि के द्वारा इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।

कृषि, खाद्यान्न आपूर्ति एवं पोषण के अंतर्संबंधों का अध्ययन महत्वपूर्ण है। खाद्यान्न पाचन के पश्चात पोषण में बदल जाता है एवं पोषण शरीर निर्माण, गति एवं क्रियाशीलता के लिए अतिआवश्यक है। पोषण का संबंध उन पोषक तत्वों से है कि ये किस प्रकार के भोज्य पदार्थों से प्राप्त होता है, इनके कार्य क्या है तथा इनकी अल्पता या अधिकता किस प्रकार मानव शरीर को प्रमाणित करती है और किन समस्याओं को जन्म देती है।

Table No 01

Disrtibution of Sample Village According to Land Holding (Incom Group)

S.N.	Village Name	L- Group	M-Group	H-Group	Vh-Group	Total Sample
1	Belmand	20	84	21	03	128
2	Dhour	77	91	08	04	180
3	Sonesarar	27	47	07	11	92
4	Paraswara	27	48	05	03	83
5	Salhebharri	21	28	15	09	73
6	Khapari	37	37	06	05	85
7	Afrid	61	78	10	05	154
8	Tappa	45	31	01	02	79
9	Khujji	92	52	00	00	144
10	Koshmarra	49	76	19	08	152

11	Bhalujhulan	33	48	06	01	88
12	Sorid	79	21	06	05	111
13	Nonbirra	39	16	05	05	65
14	Dadam	25	20	05	06	56
15	Soram	73	66	11	02	152
16	Khatanga	27	15	06	02	50
17	Botalda	32	37	09	05	83
18	Silyari	63	55	06	01	125
19	Khishora	13	17	04	04	38
20	Bodhwara	20	14	06	00	40
	Total Village	860	881	156	81	1978

Source - Field Survey 2012-14

L = Landless , M = 0-2 Hact , VH = < 4 Hact

Table no. 2

Average Percapita Perday Food Grain Availability in Sample Village of Chhattisgarh Basin

Low Income Group

Name of village	Cereals	Pulses	Oil	Veg.	Fruits	Sugger/ Jaggery
Belmand	319	50	17	332	NA	32
Dhour	221	40	15	263	15	33
Sonesarar	158	32	20	218	04	31
Paraswara	156	28	19	212	11	37
Salhebharri	273	41	23	218	22	29
Tappa	486	58	28	352	17	39
Khujji	344	54	28	275	12	36
Afrid	387	61	29	304	08	36
Khapari	352	59	30	242	19	31
Koshmarra	340	69	31	284	08	32
Bhalujhulan	336	57	28	344	14	33
Sorid	284	67	29	324	06	35
Nonbirra	310	61	27	328	14	27
Soram	343	65	29	347	16	35
Khatanga	295	86	32	204	NA	55
Botalda	288	69	31	302	10	29
Silyari	326	46	29	324	12	33
Dadam	216	44	16	277	17	55
Budhwara	446	25	08	264	-	08
Khishora	244	34	15	276	-	24

Source - Field Survey 2012-14

Table no 3

Average Percapita Perday Food Grain Surpluse/Deficiency in Sample Village of Chhattisgarh Basin - Low Income Group

S.N.	Name of Village	Cereal's 400gm	Pulse's 55gm	Oil 30gm	Veg. 250gm	Fruit's 30 Gm	Sugger/Jaggery 40 Gm
1	Belmand	-81	-5	-13	+82	NA	-8
2	Dhour	-179	-15	-15	+13	NA	-7
3	Sonesarar	-242	-23	-10	-32	NA	-9
4	Paraswara	-244	-27	-11	-38	NA	-3
5	Salhebharri	-127	-14	-7	-32	NA	-11
6	Tappa	+86	+3	-2	+102	NA	-1
7	Kunji	-56	-1	-2	+25	NA	-4
8	Budhwara	+46	-30	-22	+25	NA	-32
9	Khishora	-156	-21	-15	+26	NA	-16
10	Afrid	-13	+6	-1	+54	NA	-4
11	Khapri	-48	+4	00	-8	NA	-9
12	Kosmarra	-60	+14	+1	+34	NA	-8
13	Bhalujhular	-64	+2	-2	+96	NA	-7
14	Sorid	-116	+12	-1	+74	NA	-5
15	Nonbirra	-90	+6	-3	+78	NA	-13
16	Soram	-57	+10	-1	+97	NA	-5
17	Khatanga	-105	+31	+2	-46	NA	+15
18	Batalda	-112	+14	+1	+52	NA	-11
19	Silyari	-74	-9	-1	+74	NA	-7
20	Dadam	-184	-11	-14	+27	NA	+15

Source – Field Survey 2012-14

Table no 4

Average Percapita Perday Food Grain Availability in Sample
Village of Chhattisgarh Basin Medium Income Group

Name of village	Cereals	Pulses	Oil	Veg.	Fruits	Sugger/ Jaggery
Belmand	357	81	19	415	05	34
Dhour	215	48	14	248	17	45
Sonesarar	177	37	21	200	12	55
Pasarwara	180	40	18	187	11	41
Salhebharri	328	58	25	222	19	27
Tappa	434	52	27	351	13	25
Khujji	304	40	12	121	10	15
Afrid	366	50	29	292	07	42
Khapari	289	48	31	262	14	40
Koshmarra	318	62	26	286	14	37
Bhalujhulan	375	58	29	326	17	35
Sorid	303	61	26	318	03	38
Nonbirra	386	58	26	354	15	36
Soram	320	65	27	329	15	42
Khatanga	298	86	20	297	NA	79
Botalda	320	58	27	300	15	36
Silyari	326	43	22	321	14	34
Dadam	359	51	27	263	11	43
Budhwara	515	17	07	239	-	08
Khishora	521	60	20	321	-	21

Source – Field Survey 2012-14

Table No 5

Verage Percapita Perday Food Grain Surpluse/Deficiency in Sample
Village of Chhattisgarh Basin Medium Income Group

S. N.	Name of Village	CEREAL'S 400gm	PULSE'S 55gm	OIL 30gm	VEG. 250gm	FRUIT'S 30 gm	SUGGER/ JAGGERY 40 gm
1	Belmand	-43	+26	-11	+165	NA	-6
2	Dhour	-185	-7	-16	-02	NA	+15
3	Sonesarar	-223	-18	-9	-50	NA	+15
4	Paraswara	-120	-15	-12	-63	NA	+01
5	Salhebharri	-72	+3	-5	-28	NA	-13
6	Tappa	+34	-3	-3	+101	NA	-15
7	Kunjji	-96	-15	-18	-129	NA	-25
8	Budhwara	+115	-38	-18	-129	NA	-25
9	Khishora	+121	+05	-10	+271	NA	-7
10	Afrid	-34	-5	-1	+42	NA	+2
11	Khapri	-111	-7	+1	+12	NA	00
12	Kosmarra	-82	+7	-4	+36	NA	-3
13	Bhalujhular	-25	+3	-1	+76	NA	-5
14	Sorid	-97	+6	-4	+68	NA	-2
15	Nonbirra	-14	+3	-4	+104	NA	-4
16	Soram	-80	+10	-3	+79	NA	+2
17	Khatanga	-102	+31	-10	+47	NA	+39
18	Batalda	-80	+3	-3	+50	NA	-4
19	Silyari	-74	-12	-8	+71	NA	-6
20	Dadam	-41	-4	-3	+13	NA	+3

Source – Field Survey 2012-14

Table no 6

Average Percapita Perdad Food Grain Availability in Sample
Village of Chhattisgarh Basin High Income Group

Name of village	Cereals	Pulses	Oil	Veg.	Fruits	Sugger/Jaggery
Belmand	411	85	19	357	08	30
Dhaur	206	46	17	251	17	43
Sonesarar	192	59	24	232	09	60

Paraswara	188	27	25	243	18	59
Salhebharri	306	50	22	241	32	26
Tappa	450	100	32	455	NA	100
Khujji	NA	NA	NA	NA	NA	NA
Afrid	399	56	28	321	05	46
Khapari	353	48	26	274	17	53
Koshmarra	308	64	24	303	18	44
Bhalujhulan	368	63	30	311	04	39
Sorid	355	65	27	352	10	45
Nonbirra	440	65	30	370	16	44
Soram	320	58	22	302	15	40
Khatanga	371	91	34	312	NA	69
Botalda	324	78	29	280	21	41
Silyari	315	50	26	316	28	45
Dadam	206	30	16	239	19	46
Budhwara	791	45	06	291	-	04
Khishora	591	52	32	295	-	27

Source – Field Survey 2012-14

Table no 7

Verage Percapita Perday Food Grain Surpluse/Deficiency
In Sample Village of Chhattisgarh Basin High Income Group

S.N	Name of Village	Cereal's 400gm	Pulse's 55gm	Oil 30gm	Veg. 250gm	Fruit's 30 Gm	Sugger/Jaggery 40 Gm
1	Belmand	+11	+34	-11	+107	NA	-10
2	Dhour	-197	-9	-13	+1	NA	+3
3	Sonesarar	-108	+4	-6	-18	NA	+20
4	Paraswara	-112	-28	-5	-7	NA	+19
5	Salhebharri	-94	-5	-8	-9	NA	-14
6	Tappa	+50	+45	+2	+205	NA	+60
7	Kunji	NA	NA	NA	NA	NA	-
8	Budhwara	+391	-10	-24	+41	NA	-36
9	Khishora	+191	-03	+2	+45	NA	-13
10	Afrid	-1	+1	-2	+71	NA	+6
11	Khapri	-47	-8	-4	+24	NA	+13
12	Kosmarra	-92	+9	-6	+53	NA	+4
13	Bhalujhulan	-32	+8	00	+63	NA	-1
14	Sorid	-45	+10	-3	+120	NA	+5
15	Nonbirra	+40	+10	00	+102	NA	+4
16	Soram	-80	+3	-8	+52	NA	00
17	Khatanga	-29	+36	+4	+62	NA	+29
18	Batalda	-74	+23	-1	+30	NA	+1
19	Silyari	-85	-5	-4	+86	NA	+5
20	Dadam	-194	-25	-14	-11	NA	+6

Source – Field Survey 2012-14

Table no 8

Average Percapita Perday Food Grain Availability in Sample
Village of Chhattisgarh Basin Very High Income Group

Name of village	Cereals	Pulses	Oil	Veg.	Fruits	Sugger/ Jaggery
Belmand	506	103	22	600	NA	35
Dhour	234	62	21	272	07	35
Sonesarar	181	49	17	186	21	52
Paraswara	182	35	16	144	05	27
Salhebharri	406	69	26	250	30	38
Tappa	589	66	24	357	12	61
Khujji	NA	NA	NA	NA	NA	NA
Afrid	328	74	24	248	04	102
Khapari	285	46	22	233	09	20
Koshmarra	301	51	21	258	14	32
Bhalujhulan	400	50	24	444	13	86
Sorid	334	64	28	337	NA	34
Nonbirra	426	80	39	404	12	19
Soram	354	62	30	344	19	55
Khatanga	396	73	22	348	NA	60

Source –

Botalda	334	56	26	290	22	44
Silyari	250	50	25	230	33	16
Dadam	368	64	30	311	34	39
Budhwara	-	-	-	-	-	-
Khishora	996	83	20	295	-	33

Field

Survey 2012-14

Table no 9

Verage Percapita Perday Food Grain Surpluse/Deficiency in Sample
Village of Chhattisgarh Basin Very High Income Group

S.N.	Name of Village	Cereal's 400gm	Pulse's 55gm	Oil 30gm	Veg. 250gm	Fruit's 30 Gm	Sugger/Jaggery 40 Gm
1	Belmand	+106	+48	-8	+350	NA	-5
2	Dhour	-166	+7	-9	+22	NA	-5
3	Sonesarar	-219	-6	-13	-64	NA	+12
4	Paraswara	-218	-20	-14	-106	NA	-13
5	Salhebharrri	+6	+14	-4	00	NA	-2
6	Tappa	+189	+11	-6	+107	NA	+21
7	Kunji	NA	NA	NA	NA	NA	-
8	Budhwara	NA	NA	NA	NA	NA	-
9	Khishora	+596	-28	+10	+45	NA	-07
10	Afrid	-72	+19	-6	-2	NA	+62
11	Khapri	-115	-9	-8	-17	NA	-20
12	Kosmarra	-99	-4	-9	+8	NA	-8
13	Bhalujhular	00	-5	-6	+194	NA	+46
14	Sorid	-66	+9	-2	+87	NA	-6
15	Nonbirra	+26	+35	+9	+154	NA	-21
16	Soram	-46	+7	00	+94	NA	+15
17	Khatanga	-4	+18	-8	+98	NA	+20
18	Batalda	-66	+1	-4	+40	NA	+4
19	Silyari	-150	-5	-5	-20	NA	-24
20	Dadam	-32	+9	00	+61	NA	-1

Source – Field Survey 2012-14

निम्न आय वर्ग में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

प्रतिदर्शी ग्रामों के निम्न आय वर्ग में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण औसत रूप से प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति 306.2 ग्राम है जो कि ICMR के अनुमोदित मात्रा से - 93.8 ग्राम कम है। अध्ययन क्षेत्र निम्न आय वर्ग के ग्राम टप्पा में सर्वाधिक खाद्यान्न 486 ग्राम उपयोग किया जाता है तथा न्यूनतम खाद्यान्न उपलब्धता ग्राम परसवारा में 156 ग्राम है। ग्राम परसवारा अध्ययन क्षेत्र छत्तीसगढ़ बेसिन के उत्तर दिशा में स्थित है तथा अत्यल्प पोषण क्षेत्र के अंतर्गत आता है। fig no 01.02

दाल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

निम्न आय वर्ग के द्वारा दालों का उपयोग कम मात्रा में कि जाती है। औसत रूप से प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति 52.3 ग्राम दाल का अंतर्ग्रहण किया जाता है। सर्वाधिक दाल अंतर्ग्रहण ग्राम खटंगा में 86 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन किया जाता है जो कि औसत से + 319 ग्राम अधिक है। ग्राम बुधवारा में न्यूनतम दाल अंतर्ग्रहण किया जाता है वहां 25 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन दाल का उपभोग किया जाता है जो कि अनुमोदित मात्रा से -30 ग्राम कम है। ग्राम बुधवारा अध्ययन क्षेत्र छत्तीसगढ़ बेसिन के अत्यल्प पोषण क्षेत्र में स्थित है।

खाद्य तेल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

छत्तीसगढ़ बेसिन के निम्न आय वर्ग के परिवारों (860) द्वारा औसत रूप से प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 24.2 ग्राम खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि अनुमोदित

मात्रा 30 ग्राम से -5.8 ग्राम कम है। सर्वाधिक खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण ग्राम खटंगा में 32 ग्राम किया जाता है तथा न्यूनतम अंतर्ग्रहण ग्राम खिसोरा तथा द्वौर में 15 ग्राम किया जाता है जो कि औसत मात्रा से -15 ग्राम कम है।

मिश्रित सब्जियों का अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

औसत रूप से निम्न आय वर्ग में 273.3 ग्राम सब्जियों का उपयोग किया जाता है जो कि प्रस्तावित मात्रा 250 ग्राम से 23.60 ग्राम अधिक है। जिसका प्रमुख कारण स्थानिय बाड़ियों में सब्जियों का उत्पादन है। सर्वाधिक सब्जियों का अंतर्ग्रहण ग्राम टप्पा में 352 ग्राम है जो कि औसत से 38 ग्राम कम है। ग्राम परसवारा छत्तीसगढ़ बेसिन के अत्यल्प पोषण क्षेत्र में स्थित है।

फल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

सर्वेक्षित ग्रामों के निम्न आय वर्ग के परिवारों द्वारा फलों का अंतर्ग्रहण बहुत ही कम किया जाता है। औसत रूप से 10.25 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि अनुमोदित मात्रा से -19.75 ग्राम कम है।

शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र के निम्न आय वर्ग के परिवारों द्वारा औसत रूप से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 33.5 ग्राम शक्कर/गुड़ का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि अनुमोदित मात्रा 40 ग्राम से कम है। अध्ययन क्षेत्र के प्रतिदर्शी ग्राम दाम में सर्वाधिक शक्कर/गुड़ 40 ग्राम से कम है। यह ग्राम छत्तीसगढ़ बेसिन उत्तर-पूर्व दिशा में

स्थित है। न्यूनतम शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण प्रतिरूप में ग्राम बंधवारा में 08 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। ग्राम बुधवारा अध्ययन क्षेत्र के अत्यल्प पोषण वाले क्षेत्र में स्थित है।

मध्यम आय वर्ग में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र में मध्यम आय वर्ग के परिवारों की संख्या 881 है। प्रतिदर्श ग्रामों में औसत रूप से 334.55 ग्राम खाद्यान्न का अंतर्ग्रहण किया जाता है। जो कि अनुमोदित मात्रा से 400 ग्राम से -65.45 ग्राम कम है। खाद्यान्न के रूप में मुख्यतः चावल का अंतर्ग्रहण किया जाता है। ग्राम खिसोरा में सर्वाधिक खाद्यान्न अंतर्ग्रहण 521 ग्राम किया जाता है। ग्राम खिसोरा छत्तीसगढ़ बेसिन के अनुकूलतम पोषण क्षेत्र में स्थित है। न्यूनतम खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप ग्राम सोनेसरार में 177 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। fig no 03,04 Table no 2,3

खटंगा में 86 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है तथा ग्राम बुधवारा में न्यूनतम 17 ग्राम अंतर्ग्रहण किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में मुख्य रूप से तिवरा तथा मटर दाल का उपयोग किया जाता है।

खाद्य तेल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

औसत रूप से प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 21.3 ग्राम खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि ICMR के अनुमोदित मात्रा 30 ग्राम से कम है। सर्वाधिक खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण ग्राम खपरी में 31 ग्राम है जो प्रतिदर्श ग्राम छत्तीसगढ़ के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। ग्राम खुज्जी में खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण न्यूनतम 12 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन है जोकि औसत से -18 ग्राम है।

मिश्रित सब्जियों का अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र के प्रतिदर्श ग्रामों में स्थानीय बाड़ियों में सब्जियों की पर्याप्त उत्पादकता के कारण सब्जियों का अंतर्ग्रहण का स्तर उच्च है। औसत रूप प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहण 282.6 ग्राम मिश्रित सब्जी है। सब्जियों का सर्वाधिक अंतर्ग्रहण ग्राम बेलमाण्ड में 415 ग्राम है। बेलमाण्ड छत्तीसगढ़ बेसिन के अनुकूलतम पोषण वाले क्षेत्र में स्थित है न्यूनतम अंतर्ग्रहण प्रतिरूप ग्राम खुज्जी जो कि औसत से -129 ग्राम कम है।

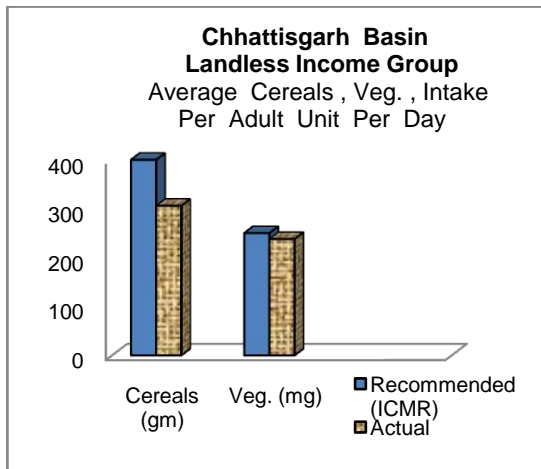


Fig no 1

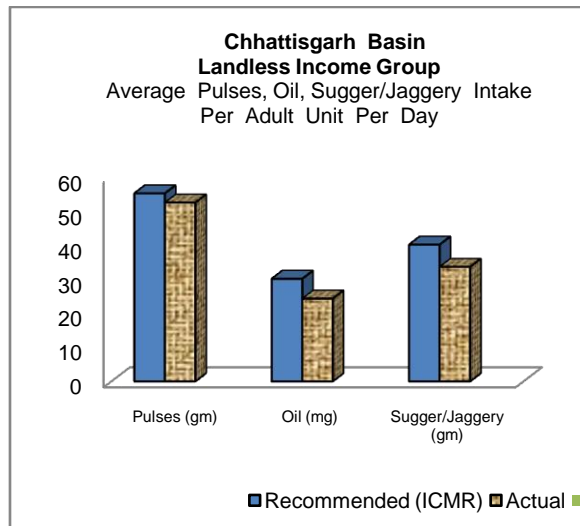


Fig no 2

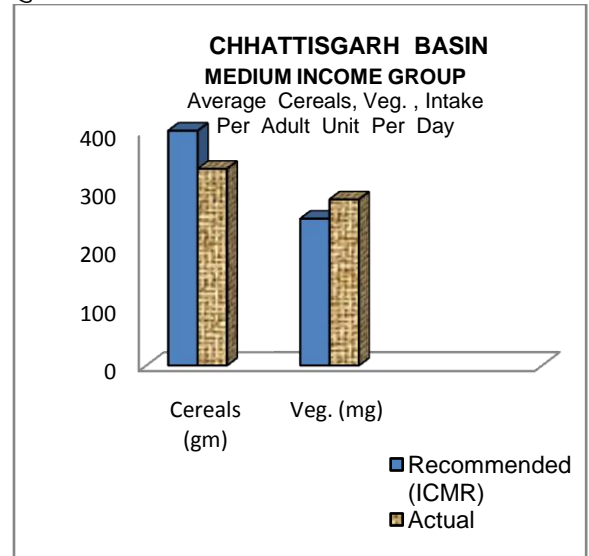


Fig no 3

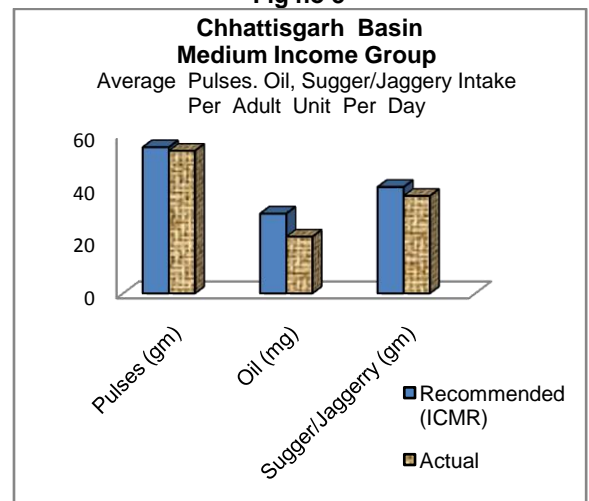


Fig no 4

दाल का अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

प्रतिदर्शी ग्रामों के मध्यम आय वर्ग के परिवारों द्वारा औसत रूप से 53.65 ग्राम दाल का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि प्रस्तावित मात्रा से -1.35 ग्राम कम है। दालों का अंतर्ग्रहण औसत से कम होने का मुख्य कारण अपर्याप्त उत्पादन है। सर्वाधिक दाल का अंतर्ग्रहण ग्राम

फल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

फलों का औसत रूप से अंतर्ग्रहण 10.6 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है जो कि अनुमोदित मात्रा 30 ग्राम से बहुत कम है।

शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

सर्वेक्षित ग्रामों में औसत रूप से शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण 36.65 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। ICMR द्वारा अनुमोदित मात्रा 40 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। स्पष्ट है कि प्रतिदर्श ग्रामों में शक्कर/गुड़ का उपभोग अनुमोदित मात्रा से कम है। अध्ययन क्षेत्र के ग्राम सोनेसरार में 55 ग्राम अंतर्ग्रहण किया जाता है। न्यूनतम अंतर्ग्रहण ग्राम बुधवारा के 08 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन किया जाता है। ग्राम बुधवारा छत्तीसगढ़ बेसिन के अत्यल्प पोषण क्षेत्र में स्थित है। ग्राम बुधवारा छत्तीसगढ़ बेसिन के उत्तर दिशा में स्थित है।

उच्च आय वर्ग में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

उच्च आय वर्ग के प्रतिदर्शी ग्रामों में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण औसत रूप से प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति 344.7 ग्राम है जो कि ICMR के अनुमोदित मात्रा से -25.2 ग्राम कम है। अध्ययन क्षेत्र निम्न आय वर्ग के ग्राम बुधवारा में सर्वाधिक खाद्यान्न 791 ग्राम उपयोग किया जाता है तथा न्यूनतम खाद्यान्न अपलक्षता ग्राम परसवारा में 188 ग्राम है। ग्राम परसवारा अध्ययन क्षेत्र छत्तीसगढ़ बेसिन के उत्तर दिशा में स्थित है तथा अत्यल्प पोषण क्षेत्र के अंतर्गत आता है। fig no 05, 06

दाल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

उच्च आय वर्ग के द्वारा दालों का उपयोग कम मात्रा में कि जाती है। औसत रूप से प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति 56.6 ग्राम दाल का अंतर्ग्रहण किया जाता है। सर्वाधिक दाल अंतर्ग्रहण ग्राम टप्पा में 100 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन किया जाता है जो कि औसत से +4.3 ग्राम अधिक है। ग्राम परसवारा में न्यूनतम दाल अंतर्ग्रहण किया जाता है वहां 27 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन दाल का उपभोग किया जाता है जो कि अनुमोदित मात्रा से -28 ग्राम कम है। ग्राम बुधवारा अध्ययन क्षेत्र छत्तीसगढ़ बेसिन के अत्यल्प पोषण क्षेत्र में स्थित है।

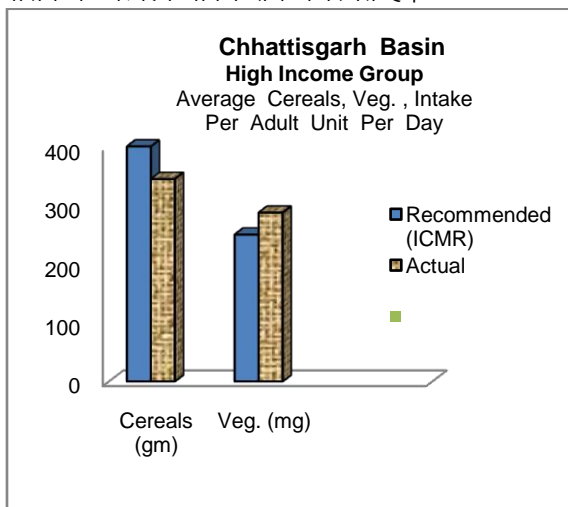


Fig no 5

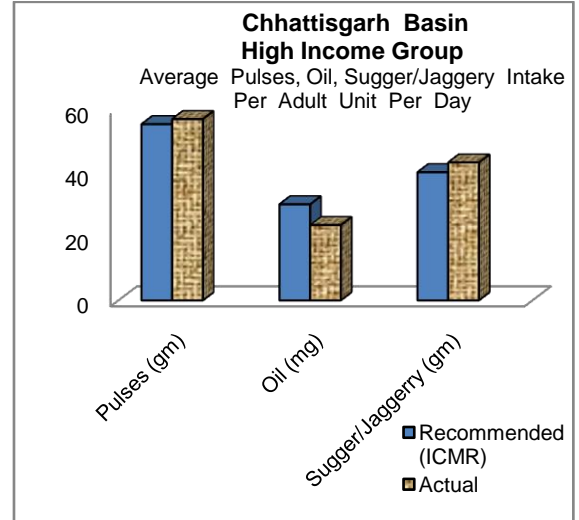


Fig no 6

खाद्य तेल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

छत्तीसगढ़ बेसिन के उच्च आय वर्ग के परिवारों द्वारा औसत रूप से प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 23.45 ग्राम खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि अनुमोदित मात्रा 30 ग्राम से -6.55 ग्राम कम है। सर्वाधिक खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण ग्राम भालूझुलन में 36 ग्राम किया जाता है तथा न्यूनतम अंतर्ग्रहण ग्राम दादम में 16 ग्राम किया जाता है जो कि औसत मात्रा से -14 ग्राम कम है।

मिश्रित सब्जियों का अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

औसत रूप से उच्च आय वर्ग में 287.25 ग्राम सब्जियों का उपयोग किया जाता है जो कि प्रस्तावित मात्रा 250 ग्राम से 37.25 ग्राम अधिक है। जिसका प्रमुख कारण स्थानिय बाड़ियों में सब्जियों का उत्पादन है। सर्वाधिक सब्जियों का अंतर्ग्रहण ग्राम टप्पा में 455 ग्राम है। तथा न्यूनतम अंतर्ग्रहण ग्राम परसवारा में है। जो छत्तीसगढ़ बेसिन के अत्यल्प पोषण क्षेत्र में स्थित है।

फल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

सर्वेक्षित ग्रामों के उच्च आय वर्ग के परिवारों द्वारा फलों का अंतर्ग्रहण बहुत ही कम किया जाता है। औसत रूप से 11.85 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहण किया जाता है।

शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र के उच्च आय वर्ग के परिवारों द्वारा औसत रूप से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 43.05 ग्राम शक्कर/गुड़ का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि अनुमोदित मात्रा 40 ग्राम से अधिक है। अध्ययन क्षेत्र के प्रतिदर्शी ग्राम टप्पा में सर्वाधिक शक्कर/गुड़ 100 ग्राम से कम है। यह ग्राम छत्तीसगढ़ बेसिन उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। न्यूनतम शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण प्रतिरूप में ग्राम बुधवारा में 04 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। ग्राम बुधवारा अध्ययन क्षेत्र के अत्यल्प पोषण वाले क्षेत्र में स्थित है।

अति उच्च आय वर्ग में खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र में मध्यम आय वर्ग के परिवारों की संख्या 81 है। प्रतिदर्श ग्रामों में औसत रूप से 343.5 ग्राम खाद्यान्न का अंतर्ग्रहण किया जाता है। जो कि अनुमोदित मात्रा से 400 ग्राम से -56.5 ग्राम कम है। खाद्यान्न के रूप में मुख्यतः चावल का अंतर्ग्रहण किया जाता है। ग्राम

खिसोरा में सर्वाधिक खाद्यान्न अंतर्ग्रहण 996 ग्राम किया जाता है। ग्राम खिसोरा छत्तीसगढ़ बेसिन के अनुकूलतम पोषण क्षेत्र में स्थित है। न्यूनतम खाद्यान्न अंतर्ग्रहण प्रतिरूप ग्राम सोनेसरार में 181 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। fig no 07, 08

दाल का अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

प्रतिदर्शी ग्रामों के अति उच्च आय वर्ग के परिवारों द्वारा औसत रूप से 56.85 ग्राम दाल का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि प्रस्तावित मात्रा से 1.85 ग्राम कम है। सर्वाधिक दाल का अंतर्ग्रहण ग्राम खटंगा में 86 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है तथा ग्राम परसवारा में न्यूनतम 35 ग्राम अंतर्ग्रहण किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में मुख्य रूप से तिवरा तथा मटर दाल का उपयोग किया जाता है।

खाद्य तेल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

औसत रूप से प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 21.3 ग्राम खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण किया जाता है जो कि ICMR के अनुमोदित मात्रा 30 ग्राम से कम है। सर्वाधिक खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण ग्राम नोनबिरा में 39 ग्राम है जो प्रतिदर्श ग्राम छत्तीसगढ़ के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। ग्राम परसवारा में खाद्य तेल का अंतर्ग्रहण न्यूनतम 16 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन है जोकि औसत से -14 ग्राम है।

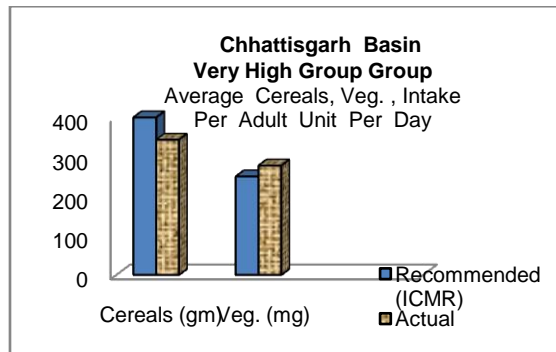


Fig no 7

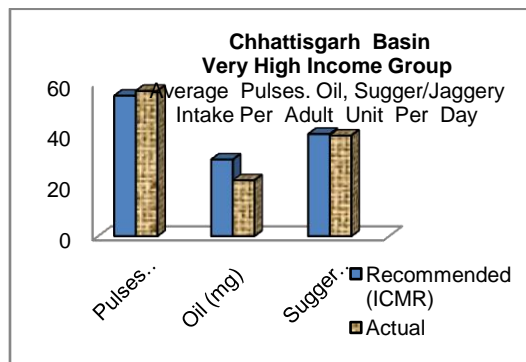


Fig no 8

मिश्रित सब्जियों का अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

अध्ययन क्षेत्र के प्रतिदर्श ग्रामों में स्थानीय बाड़ियों में सब्जियों की पर्याप्त उत्पादकता के कारण सब्जियों का अंतर्ग्रहण का स्तर उच्च है। औसत रूप प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन अंतर्ग्रहण 277.55 ग्राम मिश्रित सब्जी है। सब्जियों का सर्वाधिक अंतर्ग्रहण ग्राम बेलमाण्ड में 600 ग्राम है। बेलमाण्ड छत्तीसगढ़ बेसिन के अनुकूलतम पोषण

वाले क्षेत्र में स्थित है। न्यूनतम अंतर्ग्रहण प्रतिरूप ग्राम परसवारा जो कि औसत रूप से 144 ग्राम है जो -106 ग्राम कम है।

फल अंतर्ग्रहण प्रतिरूप:

फलों का औसत रूप से अंतर्ग्रहण 11.75 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है जो कि अनुमोदित मात्रा 30 ग्राम से बहुत कम है।

शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण प्रतिरूप

सर्वेक्षित ग्रामों में औसत रूप से शक्कर/गुड़ अंतर्ग्रहण 39.04 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। ICMR द्वारा अनुमोदित मात्रा 40 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है। स्पष्ट है कि प्रतिदर्श ग्रामों में शक्कर/गुड़ का उपभोग अनुमोदित मात्रा से कम है। अध्ययन क्षेत्र के ग्राम अफरीद में सर्वाधिक 102 ग्राम अंतर्ग्रहण किया जाता है। न्यूनतम अंतर्ग्रहण ग्राम नोनबिरा के 19 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र में पोषण उपलब्धता का स्तर

पोषण स्तर के निर्धारण के लिये क्षेत्रीय विभिन्नता के आधार पर छत्तीसगढ़ बेसिन में केन्डॉल श्रेणीकरण विधि को अपनाया गया है। विभिन्न पोषक तत्वों (कैलोरी, विटामिन, कैल्शियम, आयर्न, विटामिन 'ए' विटामिन 'बी-1' एवं विटामिन 'बी-2') की उपलब्धता को घटते क्रम में व्यवस्थित किया गया उससे प्राप्त श्रेणियों को आपस में योग करके औसत निकाला गया। पुनः उनका श्रेणीकरण करके अध्ययन कर निम्न अंक को प्रथम श्रेणी दिया गया जो कि निम्न पोषण उपलब्धता को दर्शाएगी तथा उच्च श्रेणी प्राप्त क्षेत्र उच्च पोषण उपलब्धता को दर्शाएगी, इस आधार पर अध्ययन क्षेत्र को तीन समूहों में विभक्त किया गया है:

Fig No 09, Map 02

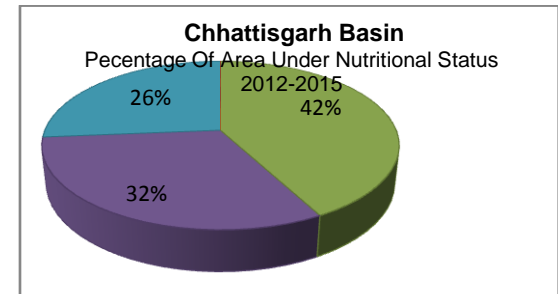


Fig no 9

1. कुपोषण,
2. न्यूनपोषण,
3. आदर्शपोषण,

कुपोषण (Malnutrition)

अध्ययन क्षेत्र 45: विकासखण्डों जिसमें 36.60: जनसंख्या तिवास करती है, कुपोषण के अंतर्गत आते हैं। इसके अंतर्गत मैकल श्रेणी श्रृंखला को छाया प्रदेश आता है। जिसमें ग्राम परसवाड़ा, सोनेसरार, सालहेभरी, डौर, दादम, खपरी, ग्राम आते हैं, जहाँ पर कुपोषण की स्थिति पायी गई है। निम्न उत्पादकता, कृषिभूमि की अल्पता, सिंचाई के साधनों का अविकसित होता है। इस क्षेत्र में प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति औसत कैलोरी 1697 है, जा अनुमोदित मात्रा 2400 से -702 कैलोरी अल्प है, प्रोटीन का औसत 44 ग्राम है, जो अनुमोदित मात्रा से -11 ग्राम कम है।

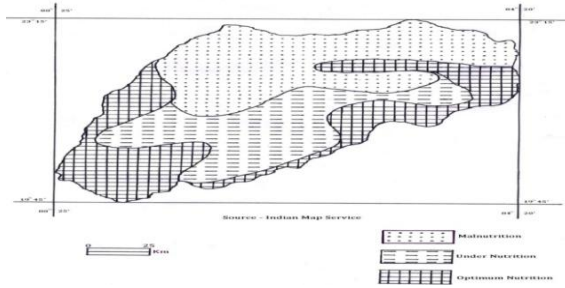
विटामिन बी-2 (राइबोफ्लेविन) की मात्रा 1.24 मिली ग्राम है जो अनुमोदित मात्रा से 1.32-0.08 मिलीग्राम अल्प है ।

अतः इस क्षेत्र में कृषि को विकसित किया जाना चाहिये, जिससे उत्पादन दर में वृद्धि हो सके और जिसका प्रभाव खाद्यान्नों पर सकारात्मक होगा ।

न्यून पोषण (Under Nutrition)

अध्ययन क्षेत्र 30% विकास खण्डों 38.77% जनसंख्या निवास करती है । इस क्षेत्र के अंतर्गत दुर्ग-रायपुर उच्च भूमि आती है, इसमें (हसदो रायपुर बेसिन, छुरी की पहाड़ियों) यह क्षेत्र न्यून पोषण के अंतर्गत आता है, अध्ययन क्षेत्र के खुज्जी, सिलयारी, सोरिद, कोसमर्रा, सोरम, बोतलदा, ग्राम आते हैं । इस क्षेत्र में जनसंख्या का दबाव है । इस क्षेत्र में प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति कैलोरी उपलब्धता 2196 (-204), प्रोटीन 63 ग्राम (+8 ग्राम) एवं विटामिन बी-2(राइबोफ्लेविन) 0.80 मिली ग्राम (-0.51मिली ग्राम) है । अध्ययन क्षेत्र कम कैलोरी व विटामिन बी-2 की अल्पता है, प्रोटीन की प्राप्ति पर्याप्त है, परन्तु प्राप्त प्रोटीन निम्नकोटि का है, जो कि तिवरा दाल के अन्तर्ग्रहण से मिलता है जो यह इसका अन्तर्ग्रहण से शारीरिक विकृतियों एवं रोग उत्पन्न होते हैं । विटामिन बी-2 की अल्पता समस्त प्रतिदर्श परिवार में परिलक्षित हो रही है ।

Chhattisgarh Basin Map Showing Area of Malnutrition, Undernutrition, Optimumnutrition



Map No 2

आदर्श-पोषण

इसके अंतर्गत अध्ययन क्षेत्र का 25: क्षेत्र आता है, जिसमें लगभग 24.62% जनसंख्या निवास करती है । इस क्षेत्र के अंतर्गत शिवनाथ बेसिन, तांदुला बेल्ट, महानदी बेल्ट, हसदो बेल्ट व कैला नदी क्षेत्र आते हैं, यह छत्तीसगढ़ बेसिन का दक्षिणी पश्चिमी, दक्षिणी, दक्षिण-पूर्वी एवं उत्तरी पश्चिमी भाग है, यहां तीन शस्य संयोजन प्रदेश मिलते हैं, यहां धान, तिवरा, चना की सघन कृषि की जाती है । खाद्यान्न उपलब्धता उच्च है । प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन औसत 2635 ग्राम (+235) प्रोटीन 58 ग्राम (+3 ग्राम), कैल्सियम 685 ग्राम (+285 ग्राम) आयरन 28.5 मिली ग्राम (+8.5 ग्राम) विटामिन-‘ए’ 4558 I/U(+2158 I/U) , विटामिन बी-1 (थायमिन) 2.57 मिली ग्राम (+1.37 मिली ग्राम) विटामिन बी-2 (राइबोफ्लेविन) 1.46 (+0.142 ग्राम) उपलब्ध है । अध्ययन क्षेत्र के टप्पा, बेलमांड, अफरीद, खिसोरा एवं भालू झूलन ग्राम इस क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं । अतः यह क्षेत्र आदर्श पोषण के अंतर्गत आते हैं ।

खाद्यान्न उपलब्धता एवं पोषण की समस्या पोषण

अध्ययन क्षेत्र में भोजन में अण्डे, मछली, मूंगफली एवं सोयाबीन का समावेश नहीं करते हैं, जो प्रोटीन कैलोरी ;Protein Energy Mal Nutrition P.E.M.) कुपोषण के उत्तरदायी है।पोषक तत्वों की कमी के कारण विभिन्न प्रकार के रोग ग्रस्तता के लिए उत्तरदायी है ।

अध्ययन क्षेत्र में कैलोरी प्रोटीन व विटामिन की अल्पता से व्याप्त होने वाली बिमारियां सर्वेक्षण के दौरान पायी गयी है जिसमें त्वचा रोग, नेत्र रोग, अल्प विकास, सूजनए होंठों से संबंधित रोग प्रमुख है। जिनका आहार अन्तर्ग्रहण से सीधा संबंध है यथाः.

1. लाखड़ी दाल (तिवरा) के अत्यधिक उपयोग के कारण ग्रामीण लैथिरिजम (शरीर के अंगों का शिथिल होना) नामक बीमारी से ग्रस्त है।
2. कैलोरी व प्रोटीन की अल्पता का मुख्य कारण भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों के समावेश का अभाव है; यथा अण्डाए मछली, पनीर, मूंगफली, सोयाबिन आदि हैं।

उद्देश्य

1. अध्ययन क्षेत्र में प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन औसत खाद्यान्न उपलब्धता ज्ञात करना।
2. अध्ययन क्षेत्र में प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन खाद्यान्न अन्तर्ग्रहण ज्ञात करना।
3. अध्ययन क्षेत्र में उपलब्ध औसत पोषक तत्वों को ज्ञात करना।
4. अध्ययन क्षेत्र में पोषक तत्वों के आधार पर कुपोषण, न्यूनपोषण, आदर्श पोषण स्तर के क्षेत्र को निर्धारित करना।

निष्कर्ष

खाद्यान्न उपलब्धता में सुधार के सुझाव

पोषण स्तर में सुधार हेतु शीघ्र ही प्रचलित परंपरागत भोजन प्रतिरूप में अनिवार्य रूप से परिवर्तन लाया जाना आवश्यक ही नहीं अपितु आवश्यक है। पोषण की कमी को दूर करने के लिए फसल प्रतिरूप में सम्भावित परिवर्तन हेतु भूगोलवेत्ताओं का सुझाव इस दिशा में बड़ा योगदान हो सकता है। अध्ययन क्षेत्र में दलहन में तिवरा व अरहर दाल के स्थान पर उच्चकोटि की प्रोटीन प्राप्ति वाली फसल सोयाबिन, मटर व चना के उत्पादन में वृद्धि हेतु प्रयास करना चाहिये, इसका उत्पादन अध्ययन क्षेत्र में नगण्य है। अध्ययन क्षेत्र में दलहन के उत्पादन में परिवर्तन की आवश्यकता है। तिवरा व अरहर के स्थान पर सोयाबिन, मटर, चना के उत्पादन को प्राथमिकता दी जानी चाहिये प्राप्ति के जिससे प्रोटीन स्रोत में वृद्धि होगी व समस्या का निदान होने की संभावना होगी।

सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण के प्रति जागरूकता का अभाव है। भोजन पकाने की गलत विधि के प्रयोग से उसके महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्व समाप्त या नष्ट हो जाते हैं। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण से संबंधि ‘पोषण शिक्षा कार्यक्रमों’ का क्रियान्वयन आवश्यक है। अध्ययन क्षेत्र में शासन द्वारा संचालित कार्यक्रमों आंगनबाड़ी, महतारी योजना, सर्वशिक्षा अभियान,

हरेली सहेली योजना एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चावल, चनाए नमकए आयरन गोलीए मध्यान्ह भोजनशाला स्तर पर आदि का वितरण किया जा रहा है परंतु यह पोषण के लिये पर्याप्त नहीं है। भोजन संबंधी आदतों के साथ ही भोजन बनाने की विधियों में परिवर्तन पोषण स्तर में सुधार लाने में सहायक होगा। आहार संबंधी कार्यक्रमों को ग्रामीण स्तर पर क्रियान्वित किये जाने की आवश्यकता है।

क्षेत्र में कृषि भूमि पर जनसंख्या का दबाव एक बड़ी समस्या है। कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु कृषि भूमि के विस्तार तथा फसल उत्पादन दर में अभिवृद्धि के साथ फसलों को नुकसान से बचाने के प्रयास किये जाने चाहिये। फसलों के उत्पादन से लेकर भण्डारण की समस्या है, हर वर्ष भण्डारण के साधनों के अभाव में अनाज खराब हो जाते हैं। अध्ययन क्षेत्र में उन्नत बीज एवं नवीन कृषि पद्धति को अपनाये जाने की आवश्यकता है। दुग्ध उत्पादन में संवर्धन किया जाना आवश्यक है। इस हेतु पशुओं की नस्लों में सुधार के साथ उनके आहार में गुणात्मक परिवर्तन आवश्यक है, जिसके सकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं।

References

1. Ali mohammad, "food & nutrition in india" K.B. Publication, New Delhi.
2. B. ShriLakshmi, "Nutrition science" 4th Revised Edition 2012, Newage international (p) limited Publishers, New Delhi.
3. Khan and Khanum, "Fundamental of Biostatistics" ukaz publication Hyderabad 2012.
4. Singh Dr. Virnda, "Ahar vigyan avam Poshan" 10th Addition 2012, punchsheel Publication – jaipur.
5. Sharma R. (2000), "Agriculture and Nutrition in Bilaspur District" Unpublished Ph.D Thesis Pt.R.S. University Raipur (Chhattisgarh).
6. Shrivastava V.K. (1973), "Habitat & Economy in upper son basin" U B B P Research service No.-1 pp."
7. Shubhangi A. Joshi, "Nutrition and Dietetics" with Indian care studies fifth reprint-2011 Tata McGraw-Hill.
8. Tiwari, P. D. & Choubey, K.s "Madhya Pradesh me krishi avam posan star, rewa pathar ka vishesh Adhyayan" Uttar Bharat Bhogol patrica vol. 20 No.-1
9. I.C.M.R. (1980) "Nutrition value of Indian foods" National Institute of Nutrition, Hyderabad.